राज्य स्तरीय आकलन

SA | 1

सत्र – 2019–20

आदर्श उत्तर

कक्षा – 7 | **विषय – सामाजिक विज्ञान**

माध्यम – हिन्दी | **PAPER CODE – 7 0 8 1**

उ. क्र. | उत्तर

1. अ. सिलिका और ऐलुमिना।

2. द. तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद दिल्ली में राजपूतों का शासन स्थापित हुआ।

3. अ. 4, 1, 2, 3

4. द. वाष्पीकरण ⟶ संघनन ⟶ वर्षण

5. अ. कृषि

6.

क्र.	भारत के पड़ोसी देश का नाम	दिशा
1.	पाकिस्तान	उत्तर पश्चिम
2.	नेपाल	उत्तर
3.	भूटान	उत्तर
4.	बांग्लादेश	पूर्व
5.	श्रीलंका	दक्षिण
6.	चीन	उत्तर
7.	अफगानिस्तान	उत्तर पश्चिम

7. 1. यह चित्र लाल किला का है

2. यह स्मारक लाल बलुआ पत्थर से बना है।

8. शासन काल के क्रमानुसार सुल्तानों के नाम–

1. कुतुबुद्दीन ऐबक
2. इल्तुतमिश
3. रजिया
4. बल्बन

9. 1. सहकारी समिति

2. मंडी

10. ध्रुवीय प्रदेशों में रहने वाले जानवरों के फर एवं त्वचा मोटी होती है जो उन्हें ठंडी जलवायु से सुरक्षित रखता है।

11.
1. परमार वंश का शासन मध्य भारत में था। यहाँ बहने वाली प्रमुख नदी नर्मदा नदी है।
2. कल्चुरि राजवंश का शासन पूर्वी भारत में विशेषकर छत्तीसगढ़ में था। यहाँ बहने वाली प्रमुख नदी महानदी है।

12. मतदान करने के लिए रामलाल में आवश्यक योग्यताएँ–
1. वह भारत का नागरिक हो।
2. उसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो।
3. उसका नाम मतदाता सूची में हो।

13. समुद्री तरंगों के अपरदन से निर्मित स्थलाकृतियाँ–

1. समुद्री गुफा 2. तटीय मेहराब 3.स्टैक 4.समुद्री मृगु

समुद्री तरंगों के निक्षेपण से निर्मित स्थलाकृति–

1. समुद्री पुलिन

14.

खेती से प्राप्त वस्तुएँ	**मशीनों से प्राप्त वस्तुएँ**
गन्ना, कपास, आलू	शक्कर, कॉपी, मोबाईल

15. दिल्ली सल्तनत की स्थापना से गाँव के लोगों के जीवन में आया बदलाव–
1. दिल्ली सल्तनत की स्थापना से अब किसान छोटे–छोटे करों की जगह एक बड़ा लगान देने लगे, जो उनके खेत की उपज का लगभग आधा था।
2. अब किसान अनाज शहरों में ले जाकर बेचने लगे। इससे किसानों का शहरों में आना जाना बढ़ गया।

अथवा

दिल्ली सल्तनत की स्थापना से शहरों में आया बदलाव–

शहरों का तेजी से विकास हुआ। तरह–तरह के कारीगर, मिस्त्री, बुनकर, दर्जी, बढ़ाई, लोहार आदि शहर में बसने लगे। नए उद्योग स्थापित हुए, नई तकनीक आयी। इसका लोगों के व्यवसाय और संस्कृति पर गहरा असर पड़ा। इमारतों में गुंबद व मेहराब का निर्माण होने लगा।

कागज बनाने एवं पुस्तक पर जिल्द चढ़ाने की कला की शुरूवात हुई।

16. दिए गए चित्र के उपकरणों की पहचान –

क्र.	उपकरण का नाम	उपयोग
1.	तापमापी यंत्र	तापमान मापने या जानने के लिए
2.	वायुदाब मापी यंत्र	वायुदाब नापने के लिए
3.	वर्षा मापी यंत्र	वर्षा की मात्रा को मापा जाता है
4.	वात दिग्दर्शी	पवन की दिशा को ज्ञात किया जाता है
5.	दिशा सूचक यंत्र	इससे दिशा ज्ञात किया जाता है

17. मुहम्मद बिन तुगलक चांदी के सिक्के की जगह ताँबे व पीतल के सिक्के चलाए।

चाँदी के जगह ताँबा व पीतल का सिक्का चलाने का नतीजा बहुत गलत हुआ। बहुत से लोग जाली (नकली) ताँबे व पीतल के सिक्के बनाने लगे और उसे बाजार में चलाने लगे।

चाँदी की जमाखोरी होने लगी। इससे पूरी अर्थव्यवस्था अस्त–व्यस्त हो गयी।

मुहम्मद बिन तुगलक ने पुनः ताँबे व पीतल के सिक्के को वापस ले लिया और इनके बदले चाँदी के सिक्के दिए। इससे राजकोष रिक्त हो गया।

अथवा

अलाउद्दीन खिलजी द्वारा बाजार को नियंत्रित करने के उपाय–

- अलाउद्दीन खिलजी ने सभी समानों का मूल्य निर्धारित कर दिया।
- घोषणा कर दिया कि जो भी व्यापारी निर्धारित कीमत से अधिक कीमत लेगा या सही वजन से कम तौलेगा उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।
- मूल्य को नियंत्रित करने के लिए सभी वस्तुओं के बाजार का स्थान निर्धारित कर दिया।
- सैनिकों को कम कीमत में पर्याप्त समान मिले, इसके लिए भी प्रयास किया गया।